University in News on 28 May 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

नए पाठ्यक्रमों की मान्यता के लिए 5 जून तक आवेदन

लविवि के कुलसचिव ने जारी किया पत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से नए महाविद्यालयों की सहयुक्तता और पाठ्यक्रमों की मान्यता के लिए आवेदन करने की तिथि में विस्तार किया गया है। शासन की मंजूरी के बाद मंगलवार को कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस संबंध में पत्र जारी किया है। पत्र के मुताबिक विवि के निरीक्षण मंडल के गठन के संबंध आवेदन की अंतिम तिथि 5 जून होगी। विवि की ओर से निरीक्षण मंडल का गठन 10 जून तक किया जाएगा। निरीक्षण मंडल 15 जून तक अपनी रिपोर्ट को प्रस्तुत करेगा। विवि की ओर से 20 जून को ऑनलाइन संबद्धता दी जाएगी। शासन में अपील करने की अंतिम तिथि 25 जून होगी और शासन स्तर से अपील निस्तारण की अंतिम तिथि 30 जून होगी। अन्य निर्देश व मान्यता व सहयुक्तता संबंधी शुल्क की जानकारी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट को चेक कर सकते हैं।

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू में कई स्थानों पर प्रसाद वितरण

लखनऊ। एलयू में कुलानुशासक कार्यालय, गणित विभाग, भौतिक शास्त्र विभाग और महमूदाबाद छात्रावास की ओर से स्थानों पर भंडारे का आयोजन हुआ। कुलपति प्रो. आलोक राय, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. ओपी शुक्ला समेत कई शिक्षकों और कर्मचारियों ने भंडारे में प्रसाद बांटा।

JAGRAN CITY PAGE III

20 जून तक मिलेगी नए कालेजों और कोर्सों को सम्बद्धता

जासं● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय इस बार नए कालेजों एवं पूर्व संचालित कालेजों में नवीन कोर्सों के संचालन के लिए आनलाइन सम्बद्धता 20 जून तक देगा। मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसकी संशोधित समय सारिणी जारी कर दी। सत्र 2025-26 के लिए आए हुए आनलाइन सहयुक्तता के प्रस्तावों के निस्तारण के लिए निरीक्षण मंडल के गठन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि पांच जून रखी गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय 10 जून तक इसका गठन कर देगा। निरीक्षण मंडल को 15 जून तक अपनी रिपोर्ट देनी होगी। जारी आदेश में कहा गया है कि सम्बद्ध महाविद्यालयों में पहले से संचालित जिन पाठ्यक्रमों की सम्बद्धता आगामी 30 जून को समाप्त होने वाली है। उन्हें स्थायी सहयुक्तता के लिए निर्धारित समय सारिणी के अनुसार आनलाइन आवेदन करना होगा। अन्यथा नए सत्र में ऐसे पाठ्यक्रमों का संचालन नहीं हो सकेगा।

परीक्षाएं 31 से

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एमपीएड चौथे सेमेस्टर (ओल्ड कोर्स) का परीक्षा कार्यक्रम मंगलवार को जारी कर दिया। यह परीक्षाएं 31 मई और दो जून को आयोजित की जाएंगी। इसका समय सुबह 8:30 बजे से सुबह 11:30 बजे तक रहेगा। (जासं)

लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलानुशासक कार्यालय, गणित और भौतिक शास्त्र विभाग की ओर से भंडारा हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पूजन अर्चन के साथ इसकी शुरुआत की ● लवि

AMRIT VICHAR PAGE 8

विदेशी छात्रों को खींच रहा क्रेडिट बैंक और पाठ्यक्रम का जादू

यूरोपीय देशों समेत 76 देशों के 2379 छात्र चाहते हैं लविवि में प्रवेश, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद तय करता है छात्रों की संख्या

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचारः भारत के विश्वविद्यालयों से शिक्षा प्राप्त करने की लालसा दुनिया के अनेक देशों के ज्ञानार्थियों को कभी नालंदा तो कभी तक्षशिला खींचती रही है। उसी स्वर्णिम काल की समानांतर रेखा लखनऊ विश्वविद्यालय खींचने की ओर बढ़ रहा है, जहां सर्वाधिक विदेशी छात्र अध्ययन करना चाहते हैं। विश्वविद्यालय ने अपने इतिहास में सर्वाधिक विदेशी छात्रों का आवेदन प्राप्त किया है। जिसमें यूरोपीय देशों समेत एशियाई और अफ्रीकी छात्र-छात्राएं भी शामिल हैं। इसके पीछे विश्वविद्यालय की विश्वस्तर पर बढ़ती साख, शैक्षिक गुणवत्ता और कमोबेस तहजीब के शहर लखनऊ की अपनी विरासत भी है।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रवेश यूरोपीय देश समेत 76 देशों से 2379 विदेशी छात्र प्रवेश लेना चाहते हैं। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के माध्यम से 2153 आवेदन अबतक प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा स्टडी इन इंडिया और इडीसीआईएल कार्यक्रमों के तहत 176 तक आवेदन प्राप्त हुए हैं जिसमें 50 आवेदक सीधे विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों मे प्रवेश लेना चाहते हैं।

हालांकि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद 100 से 125 छात्र ही उपलब्ध कराता रहा है। इन छात्रों को रुम रेंट, छात्रवृत्ति तो मिलती ही है, उनके प्रवेश शुल्क, परीक्षा शुल्क भी केंद्र सरकार की ओर से जमा किए जाते हैं। ऐसे छात्रों को सीमित संख्या आर्थिक कारण, विदेशी संबंध, शैक्षिक नीतियां समेत कई बिंदुओं पर निर्भर करती है।

कितनी मिलती है मदद

- एचआरए प्रति छात्र- करीब 6 हजार
- यूजी और पीजी छात्रवृत्ति- 25 से 30 हजार

कब कितना आवेदन

शैक्षणिक वर्ष	आवेदन
2024-25	1769
2023-24	1365
2022-23	814
2021-22	637

कितना हुआ प्रवेश

2024-25	126
2023-24	123
2022-23	102

इन देशों से प्राप्त हुए हैं आवेदन

पोलैंड, फ्रांस, स्पेन, बेलारूस, रूस, सिएरा लियोन, अंगोला, बोत्सवाना, थाईलैंड, कंबोडिया, चाड, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, कजाखिस्तान, इराक, केन्या, लाओस, लेसोथो, मेडागास्कर, नेपाल, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, सूडान, ताजिकिस्तान, तंजानिया, बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको और यूक्रेन जैसे देशों से आवेदन प्राप्त हुए हैं।

विदेशी संबंधों पर भी निर्भर होता है आवेदन

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन देशों से हमारे मधुर संबंध होते हैं वहां के छात्र अधिक आवेदन करते हैं। पिछले साल बांग्लादेश से अधिक आवेदन आए हैं लेकिन इस बार संख्या में थोड़ा बदलाव हुआ है। ताजिकिस्तान के साथ चीन की सीमाएं लगी हैं और व्यापार होता है। हमारे लिए वह महत्वपूर्ण देश है। कई बार अफ्रीकी देशों के छात्र 11 वर्षीय अध्ययन के बाद आना चाहते हैं जबकि विश्वविद्यालय का नियम 12 वीं के बाद का है ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय शैक्षिक गुणवत्ता के साथ भी समझौता नहीं करता।

नए पाठ्यक्रमों व महाविद्यालयों की संशोधित समय सारणी जारी

अमृत विचार, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड पाठ्यक्रमों को छोड़कर नवीन पाठ्यक्रमों और विश्वविद्यालय से सहयुक्तता के लिए नई समय सारणी जारी की है। निरीक्षण मंडल के संबंध में आवेदन की अंतिम तिथि 5 जून, विश्वविद्यालय द्वारा निरीक्षण मंडल गठित किए जाने की अंतिम तिथि 10 जून, निरीक्षण आख्या प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15 जून, विश्वविद्यालय द्वारा संबद्धता ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20 जून, शासन में अपील करने की तिथि 25 जून और शासन स्तर पर निस्तारण की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित किया गया है।

TOI PAGE 2

At the bhandara on Lucknow University campus, vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai and faculty members distributed prasad to devotees. A bhandara was also held at the Bhau Rao Deoras gate of the university.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में भण्डारे का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलानुशासक कार्यालय, गणित विभाग एवं भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा विभिन्न स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सभी शिक्षक सम्मिलित हुए। भाऊराव देवरस द्वार पर भी भंडारे का आयोजन किया गया था।